प्रेषक.

अमिताभ श्रीवास्तव, अपर सचिव. उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,

देहराद्न।

युवा कल्याण अनुभाग :

देहरादून : दिनांक 2 4 मार्च, 2005

विषय:-जनपद पौड़ी की जिला नियोजन तथा अनुश्रवण समिति द्वारा स्वीकृत अतिरिक्त परिव्यय हेतु धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1318/दो-843/2003, दिनांक 17 मार्च, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय संलग्न बी०एम०-15 के विवरणानुसार कुल रू० 7.00 लाख (रूपये सात लाख मात्र) पुनर्विनियोग के माध्यम से जनपद पौड़ी की विमागीय जिला योजना हेतु आहरित कर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। जपरोक्त आवंटित धनराशि का जपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की रवीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में भितव्ययता नितान्त आवश्यक है।

किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एण्ड०डी० की दरों पर किया

जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेडंर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-आयोजनागत-001-निदेशन एवं प्रशासन-91-जिला योजना-9101-प्रादेशिक दल एव युवा कल्याण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा एवं संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्म-4 की बचतों से वहन किया जायेगा।

उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या-1835/वित्त अनुभाग-2/2005, दिनांक 24 मार्च, 2005 में प्राप्त

उनकी सहमति से जारी किए जा रहे है।

भवदीय, ः

(अमिताभ श्रीवास्तव) अपर सचिव।

पुष्ठांकन संख्या- /VI-I/2005-2(5)2005, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् प्रेषित।

- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपूर रोड़ ओवराय बिल्डिंग, देहरादन। 1-
- निदेशक, संस्कृति निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून। 2 -
- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल शासन। वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी। 3-
- 4-
- जिलाधिकारी, पौड़ी। 5-
- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग।
- वित्त अनुमाग-2, उत्तरांचल शासन।
- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।

गार्ड फाईल।

(अमिताम श्रीवास्तव) अपर सचिव।

आय—व्ययक प्रपत्र—15

नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, युवा कल्याण, निदेशालय । प्रशासनिक विभाग-युवा कल्याण पुनर्विनियोग 2004-2005 विवरण पत्र ।

देहरादून : दिनांक 24 मार्च, 2005

संख्या- इ-1/VI-I/2005,

अनुदान संख्यां—11 (आयोजनागत)

	1	18154	योग — 700	700	1	1000	1700
		700		432	1	768	42—अन्य व्यय- 1200
							सम्बद्धेन 91—बद्दी—केदार उत्सव
							(२) २२०५-कला एवं संस्कृति का
				268	ļ	232	अंशदान / राजसहायता— 500
	1	18154	युवा कल्याण 42—अन्य व्यय —700				को मासिक पेंशन 20—सहायक अनुदान/
मिन्द्रम्थित			91—जिला योजनी 9101—प्रादेशिक विकास दल एवं				सम्बर्द्धन 09—वृद्ध कलाकारों एवं लेखकों
क्षात्र का अन्य			2204—खेलकूद तथा युवा सेवाये 001—निदेशन तथा प्रशासन	18.40			 2205-कला एंव संस्कृति कला एवं संस्कृति का
8	7	6	5	4	w	2	
	स्तम्भ-4 अवशेष धनराशि	कुल धनराशि		वनशास सन्	शेष अवाध में अनुमानित व्यय	अद्यावाधक व्यय	
loh2	पुनावीनेयां टिप्पणा ग के	पुनविनियोग के बाद	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानांतरित किया जाना है ।	अवशेष (सरप्लस)	वित्तीय वर्ष के	मानक मदवार	बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है ।

(अमिताभ श्रीवास्तव) अपर सचिव।

देहरादूनः दिनांक:24मार्च, 2005 संख्या:-१६३5/ वि०३१०-2/2005 उत्तराचल शासन वित्तं अनुभाग-2

पुनविनियोग स्वीकृत अपर सचिव, (एल०एम०पंत) वित्त विभाग। 500c/c/hz

महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।

सख्याः (1)/VI-I/2005 तद्दिनांक ।

निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित। निदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, उत्तराचल देहरादून।

निदेशक संस्कृति निदेशालय, देहरादून।

वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।

वित्तं अनुभाग-2 । गार्ड फाईल ।

अपर सचिव